कालेजों में उन सभी पात्र विदेशी छात्रों की, जिनमें भारतीय मूल के विद्यार्थी भी शामिल हैं, दाखिले की माँग को लगभग पूरी तरह से पूरा किया जा रहा है ।

मेडिकल कालेजों में ऐसे विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित सीटें उन की मांग से कम हैं । इसका कारण है कि देश में उपलब्ध मेडिकल शिक्षा की सुविधाएं सीमित हैं और देश में ही इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों की मांग बढ़ रही है । विदेशी विद्यार्थियों के लिए संरक्षित सीटों की संख्या बढ़ाई जा सकती है या नहीं यह प्रश्न विचाराधीन है ।

केन्द्रीय सरकार के अस्थायी कर्मचारी

*1324. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) उनमें से कितने कर्मचारी अस्थायी हैं ;

(ग) 20 वर्ष, 15 वर्ष, 10 वर्ष और 5 वर्ष से भी अधिक सेवाकाल हो जाने के बाद भी पृथक्-पृथक् कितने कर्मचारियों को अस्थायी रखा जा रहा है;

(घ) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ङ) बहुत समय तक अस्थायी रहने के कारण कर्मचारियों को क्या हानि हुई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल): (क) से (ङ): एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया है । [**पुस्तकालय में रख दिया गया । देखिये** संख्या LT—866/69] ।

कुतुब मीनार, दिल्ली

*1326. **श्री बलराज मधोक** : क्या **शिक्षा तथा युवक सेवा** मन्त्री 26 जुलाई, 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 1383 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुतुब मीनार की नींव में खराबियों का पता लगाने के लिये 1964 में सरकार द्वारा नियुक्त की गई समिति पर कुल कितना धन व्यय किया गया था;

(ख) क्या यह सच है कि यद्यपि उक्त समिति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त तीन वर्ष की अवधि बीत गयी है, तथापि कुतुब मीनार की मरम्मत करने के लिये अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है जबकि यह स्वीकार किया गया था कि कुतुब मीनार की नींव कमजोर हो गई है और कुतुब मीनार की मरम्मत के लिये 10,20,000 रुपये की योजना भी तैयार की गई थी ; और

(ग) यदि इस प्रकार की समितियों की सिफ़ारिशों को क्रियान्वित नहीं करना है अथवा क्रियान्विति में विलम्ब किया जाता है, तो ऐसी समितियां नियुक्त करने का क्या प्रयोजन है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्रीमती जहांआरा जयपाल सिंह) : (क) समिति पर कोई खर्च नहीं हुआ है ।

(ख) और (ग) कुतुब मीनार की बुनियाद के इर्द-गिर्द के क्षेत्र को ईंटों से पाटने का कार्य पूरा हो गया है ताकि नींव में पानी न घुस सके । धन उपलब्ध न होने के कारण पिछले वर्षों में और कोई मरम्मत नहीं की जा सकी थी । तथापि, 1969-70 के दौरान नींव को मज़बूत बनाने का कार्य प्रारम्भ करने का प्रस्ताव है ।

Enquiry into Construction of Ashoka Hotel Annexe and Revolving Tower

*1330. SHRI YAJNA DATT SHARMA : SHRI JUGAL MONDAL :

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 4363 on the 13th December, 1968 and state :

(a) whether the report of enquiry conducted into the irregularities committed into the construction of the Ashoka Hotel